ये अव्यक्त इशारे

ज्वालास्वरूप स्थिति में रह शक्तिशाली याद का अनुभव करो

27-07-2026

कई बच्चे कहते हैं कि जब योग में बैठते हैं तो आत्म अभिमानी होने के बदले सेवा याद आती है। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि लास्ट समय अगर अशरीरी बनने की बजाए सेवा का भी संकल्प चला तो सेकण्ड के पेपर में फेल हो जायेंगे। उस समय सिवाय बाप के, निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी - और कुछ याद नहीं। सेवा में फिर भी साकार में आ जायेंगे इसलिए जिस समय जो चाहे वह स्थिति हो नहीं तो धोखा मिल जायेगा।

Stay in the volcanic stage and experience powerful remembrance.

Many children say that, when they sit in remembrance, instead of becoming soul conscious, they think about service. This should not happen, because if, instead of becoming bodiless in the final moments, you think about service, you would fail that paper of a second. At that time, you must only remember the Father and your incorporeal, viceless and egoless stage, nothing else. By thinking of service, you remain in your corporeal form. If you can't have the stage that you should have whenever you want, you would be deceived.